खुशहाल बेटी है तो सृष्टि है

सुमंगल योजना के दूसरे चरण के तहत आयोजित कार्यक्रम में श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर परमहंस दाती महाराज ने देशवासियों से राष्ट्र कल्याण के लिए आह्वान किया है कि जब बेटी खुशहाल होगी तो परिवार और देश का कल्याण होगा। साथ ही दाती महाराज ने संदेश दिया कि बेटी है तो सृष्टि है। इस सृष्टि की रक्षा का दायित्व आपको खुद उठाना होगा। भय और भ्रम छोड़कर सच्चाई को जान जाओ नहीं जानोगे तो सृष्टि तुम्हारा साथ छोड़ देगी। दाती महाराज का कहना है कि पढ़ा लिखा समाज जिस तकनीक के बल पर कन्याभ्रूण हत्या से ग्रस्त होता जा रहा है। उससे जागने की जरूरत है। तकनीक विकास की सीढ़ी हो सकती है। राष्ट्र और देश कल्याण की कुंजी नहीं। कन्या होगी तो कल्याण होगा। उन्होंने माता-बहनों और बुद्धिजीवी वर्ग से पुरानी रूढ़ियों को त्यागकर छोटा परिवार-सुखी परिवार पर विचार करने का संदेश दिया। राजस्थान पाली के बांगड़ अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में दाती महाराज, जिला कलेक्टर श्री नीरज के.पवन, उनकी पत्नी मोनिका पवन, जिला प्रमुख खुशवीरसिंह ने श्रीशनिधाम ट्रस्ट की ओर से चलाई जा रही सुमंगला योजना के दूसरे चरण के तहत 17 महिलाओं को लाभान्वित किया, जिसमें 13 महिलाओं को 31-31 सौ रुपये तथा 4 महिलाओं को 61-61 सौ रुपये की राशि के किसान विकासपत्र भेंट किए गए। साथ ही दाती महाराज ने इन योजनाओं के तहत 17 लाभान्वित महिलाओं को अलग से एक-एक कम्बल तथा पांच-पांच सौ रुपये की नगद राशि प्रदान की।

अजमेर विश्वविद्यालय के कुलपति का स्वागत : श्री शनिधाम ट्रस्ट के पीठाधीश्वर श्रीश्री 1008 परमहंस दाती महाराज के नेतृत्व में अजमेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भागीरथ सिंह ने श्री शनिधाम ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा अभियान के तहत कॉलेज के निर्माणाधीन भवनों का अवलोकन किया। इस मौके पर दाती महाराज ने बागावास के असहाय व गरीब लोगों के बीच कंबल वितरित किए। श्रीसिंह ने गुरुकुल के नौनिहालों को संबोधित करते हुए कहा कि यह भविष्य के लिहाज से हम सबके लिए सुनहरा अवसर है। इस सुनहरे अवसर को हमें अपने हाथ से नहीं जाने देना है। दाती महाराज ने कहा कि आज समाज को उच्च व तकनीकी शिक्षा की जरूरत है। शनिदेव की कृपा से शिक्षा के क्षेत्र उन्होंने आश्वासन बालग्राम संस्था की स्थापना की, जिसमें गरीब व असहाय बच्चों का पालन-पोषण के साथ उनको उच्च शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। आगे आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में आश्वासन बालग्राम की बहुत सारी योजनाएं हैं, जो अपने आखिरी पड़ाव पर है। आने वाले समय में इनका लाभ असहाय व गरीब बच्चों को मिले, यही मेरा उद्देश्य है। इससे पूर्व प्रो. सिंह ने स्कूल, क्लास रूम, कंप्यूटर रूम, लैब, लाइब्रेरी, भोजनशाला, लाउंड्री व हॉस्टल का निरीक्षण किया व बच्चों से बातचीत भी की। इस मौके पर पूर्व सांसद पुष्प जैन, नरेश ओझा, विष्णु व्यास, मां श्रद्धा, मां ध्यान व गुरुकुल परिवार के सदस्य मौजूद थे।

बेटी को बेटे के समान दर्जा देना होगा : बांगड़ कॉलेज में चल रही राजस्थान इतिहास कांग्रेस की दो दिवसीय कांफ्रेंस में महामंडलेश्वर दाती महाराज ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए हमें समाज को शिक्षित करना होगा। दहेज जैसी समस्याओं को खत्म कर बेटी को बेटे के समान दर्जा देना होगा। उन्होंने दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए सभी अभिभावकों को दो साल तक बेटी का विवाह रोक देने की सलाह भी दी ताकि जब लड़कों को लड़की नहीं मिलेगी तो दहेज का अलाप भी छोड़ देंगे। अजमेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भागीरथसिंह ने इतिहास को नए सिरे से लिखने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इतिहासविज्ञों द्वारा इस बात की जांच की जानी चाहिए कि इतिहास वस्तु परक लिखा गया है या फिर व्यक्तिपरक। कार्यक्रम को उम्मेद मिल के प्रबंधक गोविंद सारड़ा व अतिरिक्त मुख्य अभियंता सिंचाई रुपाराम धणदे ने भी संबोधित किया। कन्या भ्रूण हत्या पर पत्रवाचन करने के लिए अल्पना तिवारी को प्रथम, डॉ. चुनाराम सुथार को द्वितीय तथा सरकारी विधी महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. सुरेन्द्रसिंह को तृतीय पुरस्कार दिया गया। डॉ. संगीता आर्य, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. उषा राठी ने भी शोध पत्र पढ़ा। इस मौके पर शनिधाम ट्रस्ट की निदेशिका मां श्रद्धा, नरेश ओझा, डॉ. एचएम चौधरी, डॉ. देवेन्द्र चौधरी, अंबालाल वागौरिया, नेमीचंद तोषावरा, मदन चंदेल आदि उपस्थित थे।

मैडल मिले तो ही नारी का सम्मान : इतिहास कांग्रेस के अध्यक्ष प्रोफेसर रविन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि हम मैडल जीतने के बाद ही उषा पूनिया और साइना के रूप में नारी का सम्मान क्यों करते हैं, पहले क्यों नहीं। उन्होंने तो यह कर दिखाया कि यदि उन्हें पुरुषों जैसा सपोर्ट मिले तो वे उनसे भी आगे जा सकती हैं।

इतिहास में भी नारी दयनीय : एमडीएस के कुलपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी की पूजा मानी गई है लेकिन इतिहास पर गौर करे तो ऐसी कोई घटना दिखाई नहीं देती। महाभारत में द्रोपदी का रामायण में सीता का बार बार अपमान ही हुआ। उन्होंने कहा कि आर्थिक परेशानी के कारण कन्या भ्रूण हत्याएं हो रही हैं। यदि कन्याओं को समान हक मिले तथा वे आर्थिक रूप से सुदृढ हो जाएं तो इस पर रोक लग सकती है।

बिलाड़ा में दाती महाराज का स्वागत हुआ : बिलाड़ा महामंडलेश्वर परमहंस दाती जी महाराज राजस्थानी का गत बुधवार को नगरपालिका में पालिकाध्यक्ष दुर्गा देवी राठौड़, पार्षदों व गणमान्य नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम में दाती महाराज के दर्शनार्थ भक्तों की भीड़ उमड़ी। कस्बे में जगह-जगह महाराज का स्वागत किया गया। समाजसेवी व पार्षद बंशीलाल चौहान द्वारा दाती मदन महाराज का अंबेडकर सर्किल पर गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया गया। वहीं, कस्बे की सब्जी मंडी के पास श्रीरामदेव सब्जी मंडी सेवा समिति द्वारा दाती महाराज का स्वागत किया। इस अवसर पर पालिका उपाध्यक्ष नरपतराम मेघवाल, पार्षद भंवरलाल राठौड़, बृजबिहारी, पारस बोचावत, त्रिलोक नैणीवाल, यूथ कांग्रेस के नगर अध्यक्ष चेतन चौहान, पार्षद शहाबुद्दीन कुरेशी, परमवीरसिंह परमार सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

बेटियों से बाबा का वादा : दाती महाराज ने बालिकाओं से खूब पढ़कर देश का नाम रौशन करने की बात कही। उन्होंने वादा किया कि जो छात्राएं 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करेंगी, उनकी कॉलेज तक की पढ़ाई व शादी का खर्चा भी वही करेंगे। विद्यालय 12वीं तक क्रमोन्नत होने पर उन्होंने यहां कंप्यूटर कक्ष तैयार करवाने व हर छात्रा को उच्च शिक्षा के लिए लेपटॉप देने का वादा किया।

एक हाथ दान निकले, दूसरे को पता न चले : महामंडलेश्वर शनिश्चराणागी परमहंस दाती जी महाराज का कहना है कि दान देकर महिमा का गुणगान करवाने वाला भामाशाह नहीं होता। भामाशाह तो वह होता है जिसके एक हाथ दान निकले तो दूसरे हाथ तक को पता न चले। वे भावी गांव में आयोजित भामाशाहों के सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। शनिधाम ट्रस्ट, दिल्ली की ओर से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को 200 पलंग व 350 कंबल वितरण करने पहुंचे दाती ने इससे पहले विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया। उन्होंने समारोह के दौरान कुल दो लाख रुपए की राशि देने वाले 11 भामाशाहों को कोटि-कोटि वंदन कर धन्यवाद दिया। उन्होंने यह राशि भी स्कूल को दे दी।

मासूमों को लगा लिया गले : दाती ने कहा कि यह मेरा दुर्भाग्य है कि ऐसी विपरीत परिस्थतियों में रहने वाली बालिकाओं की सेवा करने का मौका मुझे इतने विलंब से मिला। उन्होंने मासूम बालिकाओं की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। दाती ने बताया कि उन्होंने राजस्थान सरकार को राजस्थान की समस्त कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय शनिधाम ट्रस्ट को देने के संबंध में पत्र लिखा है। उन्होंने हर बालिका को कंबल बांटी व मासूम बच्चियों को गले लगाया। उन्होंने दूसरी स्कूल की बालिकाओं को भी कंबल बाटें।

आशा को 11 हजार का प्रोत्साहन

दाती महाराज श्री मदन राजस्थानी द्वारा घोषणा की गई की जिस आशा द्वारा जिले में सर्वश्रेष्ठ कार्य किया जायेगा उसको शनिधाम ट्रस्ट, आलावास की तरफ से 11 हजार रुपये दिये प्रोत्साहन स्वरूप दिये जायेंगे। गौरतलब है कि प्रत्येक गांव में जो आशा लगी हुई हैं वो अपने क्षेत्र में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करे ताकि अधिक से अधिक इस योजना से लाभान्वित हो सकें। श्रैष्ठ कार्य करने वाली आशा को शनिधाम ट्रस्ट की ओर से 26 जनवरी को 11000 नगद देने की घोषणा की गई है।

क्या है सुमंगला योजना

पाली जिले के बी.पी.एल. और ए.पी.एल परिवारों के लिये भी बेटी बचाओ अभियान की कड़ी में श्रीशनिधाम व जिला चिकित्सा विभाग की ओर से सुमंगला योजना संचालित की जा रही है।

स्वास्थ्य दिवस पर सम्मेलन

चिकित्सा विभाग की ओर से 7 अप्रैल-2011 को मनाये जाने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस को शनिधाम ट्रस्ट, आलावास में ही विशाल सम्मेलन रखने का निर्णय लिया गया।

सौभाग्यशालियों को दाती का सान्निध्य : सिंह

गुरुकुल में अजमेर विश्वविद्यालय के कुलपति भागीरथ सिंह ने कहा कि दाती महाराज जैसे महान संत के सानिध्य में रहकर शिक्षा ग्रहण करने का मौका सौभाग्यशालियों को मिलता है। शिक्षा के क्षेत्र में दाती राजस्थानी ने जो अनूठी पहल की है, उसका सबको मिलकर लाभ उठाना चाहिए। आज के समय में उच्च शिक्षा प्राप्त करके देश व समाज की भ्रांतियों को मिटाया जा सकता है।